Mind and Society ISSN 2277-6907
Vol 09, No. III&IV,Sep. & Dec.2020, Page No. 23 to 30

व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति का अध्ययन

** रोली तिवारी*
*** चित्रलेखा वर्मा*

Received	Reviewed	Accepted
18 Oct. 2020	20 Oct. 2020	30 Oct. 2020

प्रस्तुत अध्ययन में "व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति का अध्ययन छात्राध्यापकों के विशेष संदर्भ में" किया गया। कुल 200 छात्राध्यापकों (100 पुरूष छात्राध्यापक एंव 100 महिला छात्राध्यापिकाओं) का चयन सोद्देश्य न्यादर्श विधि द्वारा किया गया। शोध उपकरण के रूप में आकड़ें संग्रहण करने के लिये स्मार्टफोन में प्रयुक्त व्हाट्सएप मैसेंजर के माध्यम से स्क्रीनशॉट, छवि (इमेज) प्रक्रिया को लिया गया। सांख्यिकी विश्लेषण हेतु प्रतिशत द्वारा परिकल्पनाओं की सार्थकता की जांच की गयी। निष्कर्ष में यह पाया गया कि छात्राध्यापकों द्वारा शैक्षणिक जानकारियाँ सर्वाधिक रूप से छवि (इमेज) के माध्यम से साझा की जाती हैं। आकड़ों के आधार पर विस्तृत विश्लेषण भी किया गया।

शब्द कुंजी : व्हाट्सएप, शैक्षणिक जानकारी, छात्राध्यापक और स्क्रीनशॉट प्रक्रिया।

प्रस्तावना : वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न तकनीकी साधनों के माध्यम से अपनी दिनचर्या को सरलीकृत कर रहा हैं। इसी श्रृंखला का अभिन्न अंग स्मार्टफोन तथा व्हाट्सएप मैसेंजर एप्लीकेशन का उपयोग करना हैं। व्हाट्सएप स्मार्ट फोनों पर चलने वाली एक प्रसिद्ध तत्क्षण मैसेजिंग सेवा हैं, इसकी सहायता से इंटरनेट के द्वारा दूसरे व्हाट्सएप उपयोगकर्त्ता के स्मार्टफोन पर टेक्स्ट संदेश के अलावा आडियों, छवि, वीडियों तथा अपनी स्थिति (लोकेशन) भी भेजी जा सकती हैं। 4 सितम्बर 2015, आज तक न्यूज ने एक शोध द्वारा बताया कि - व्हाट्सएप पर 90 करोड़ से अधिक उपयोगकर्त्ताओं के साथ यह विश्व का दूसरा सबसे लोकप्रिय तत्क्षण मैसेंजर हैं। भारत में फरवरी 2017 में, व्हाट्सएप पर 200 मिलियन सक्रिय उपयोगकर्त्ता थे तथा 2018 में अनुमानित सक्रिय व्हाट्सएप उपयोगकर्त्ता की संख्या 250–300 मिलियन हो गई थी। इसी प्रकार 18 नवम्बर 2019 में यह संख्या 400 मिलियन हो गयी। पूरे भारत में व्हाट्सएप का उपयोग छात्रों द्वारा अधिकाधिक रूप से किया जा रहा हैं, जिसमें 82% छात्र व्हाट्सएप के सक्रिय उपयोगकर्त्ता हैं। व्हाट्सएप को 2009 में याहू कम्पनी में काम करने वाले दो कर्मचारियों 'बरीन एकटन' और 'जान कूम' ने मिलकर बनाया था।

बंसल एवं जोशी. (2014). इस अध्ययन का शीर्षक हैं "व्हाट्सएप मोबाईल सीखने वाले छात्रों के अनुभवों का एक अध्ययन" इस अध्ययन का उद्देश्य बी.एड. के छात्रों एवं शिक्षकों के मध्य व्हाटसएप ग्रुप बनाकर शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम के दौरान एक–दूसरे से बातचीत के द्वारा सामाजिक अंतर क्रियाशीलता में

** सहायक प्राध्यापक अध्यापक शिक्षा संस्थान पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)*
** * एम.एड. (प्रशिक्षार्थी) अध्यापक शिक्षा संस्थान पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)*

व्हाट्सएप के उपयोग की जांच करना था। नमूने के रूप में कुल 10 छात्रों को लिया गया। शोधकर्त्ता ने उपकरण के रूप में साक्षात्कार प्रश्नावली का उपयोग किया। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं, कि छात्र व्हाट्सएप के माध्यम से सीखने को बहुत ही रोचक व शैक्षिक रूप से उपयोगी मानते हैं। उन्होनें पाया कि छात्र, शिक्षक के साथ सामाजिक अंतर क्रियाशीलता में सहयोगात्मक रूप से अधिक वृध्दि हुई हैं। व्हाट्सएप मीटर लर्निंग के प्रति छात्रों का रवैया अनुकुल था। केंचाकन्वर, एवं हदागली, (2015). इस अध्ययन का शीर्षक हैं "कर्नाटक विश्वविद्यालय धवदः एक अध्ययन के विद्वानों के बीच व्हाट्सएप का उपयोग" इस अध्ययन का उद्देश्य कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक राज्य के सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विद्वानों द्वारा व्हाट्सएप के उपयोग की जांच करना था। नमूने के रूप में कुल 145 छात्रों को लिया गया, और प्रश्नावली के द्वारा आंकड़े प्राप्त किये गये। इस अध्ययन के परिणामों से पता चलता है, कि 91.36% उत्तरदाताओं को फेसबुक के बारे में पता हैं, इसके बाद गूगल+ और यू–ट्यूब तथा अनुसंधान विद्वान व्हाट्सएप का उपयोग शैक्षणिक अनुसंधान उद्देश्य के लिये भी कर रहे हैं। केटिनकाया एल (2017), इस अध्ययन का शीर्षक ''व्हाट्सएप का प्रभाव'' शिक्षा प्रक्रिया के सफलता पर पड़ता हैं।'' इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षा के लिये व्हाट्सएप उपयोग के प्रभावों का पता लगाना और प्रक्रिया के प्रति छात्रों की राय निर्धारित करना हैं। इस अध्ययन में नमूने के रूप में प्रयोगात्मक समूह के (35 छात्रों) और नियंत्रण समूह के (35 छात्रों) को लिया गया। शोधकर्त्ता ने उपकरण के रूप में अर्द्ध प्रयोगिक डिजाईन का उपयोग किया और मिश्रित माप के लिये दो कारक विचरण विश्लेषण द्वारा आकड़ों का विश्लेषण किया गया था। इस अध्ययन में निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि छात्रों ने अपने पाठ्यक्रमों में व्हाट्सएप के उपयोग के प्रति सकरात्मक राय विकसित की हैं। छात्रों ने बताया कि छवियों के साथ संदेश उनके सीखने के लिये अधिक प्रभावी थे। नुरा, (2017). इस अध्ययन का शीर्षक हैं "सामान्य अध्ययन में अकादमिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव को प्रभावित करने वाले स्नातक छात्रों में सीखने का विस्तार करने के लिये व्हाट्सएप का उपयोग करना" इस अध्ययन का उद्देश्य स्नातक छात्रों के डिजिटल जीवन में सीखने के विस्तार में व्हाटसएप के प्रभाव की जांच करना था। इस अध्ययन में शोध अभिकल्प के रूप में 2–2 फैक्टोरियल गैर समतुल्य, गैर यादृच्छिक समूहों के साथ क्वासी प्रयोगात्मक डिजाइन को अपनाया गया था। शोधकर्त्ता ने नमूने के रूप में 200 स्नातक विद्यार्थियों का चयन किया था। निष्कर्षतः व्हाट्सएप अध्ययन करने के लिये डिजिटल रूप से छात्रों के लिये सबसे अच्छा हैं, और पारंपरिक कक्षा शिक्षण प्रकिया के लिये सोशल मीडिया को शामिल करने का भी प्रयास करना चाहिये। गुटर, (2018). इस अध्ययन का शीर्षक हैं "शिक्षक शिक्षा के लिये मोबाईल ऐप : व्हाट्सएप के माध्यम से बातचीत में सामाजिक, संज्ञानात्मक और शिक्षण उपस्थिति को इंडेंट करना" इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षकों के मोबाईल सीखने के अनुभवों को बढ़ावा देने के क्षमता का विकास करना था। शोधकर्त्ता ने नमूने के रूप में 40 प्रतिभागियों को लिया तथा शोधकर्त्ता के द्वारा उपकरण के रूप में मिश्रित पद्धति का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष के रूप में यह ज्ञात हुआ कि व्हाट्सअप एवं अन्य ऐप्लिकेशन मध्यस्थाता संचार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। केलिन, (2018). इस अध्ययन का शीर्षक हैं "मोबाईल इस्टेट मैंसेजिंग एमआईएम के शैक्षिक प्रभाव : उच्च शिक्षा में उपयोग किये गये व्हाट्सएप के परिणाम के रूप में" इस अध्ययन का उद्देश्य व्हाट्सएप के उपयोग के ठोस अनुभव का एक मात्रात्मक और गुणात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करना था, जिसमें 140 स्नातक के प्रबंधन के छात्रों को शामिल किया गया था, इस अध्ययन में प्रश्नावली के द्वारा प्रतिभागियों से उत्तर प्राप्त किये गये थे। इस अध्ययन के परिणामस्वरूप एमआईएम के पांच मुख्य शैक्षिक प्रभावों को बताया गया– अतंर क्रियाशीलता, साझाकरण, ज्ञान, उपस्थिति की भावना, सहयोग और सर्वव्यापकता यह अध्ययन उपकरण की सीमाओं की भी पड़ताल करता हैं और शिक्षण

और सीखने के लिये एमआईएम उपयोग की अच्छी प्रयासों के सुझाव प्रदान करता हैं। शोरनाम, ए (2018), इस अध्ययन का शीर्षक ''व्हाट्सएप के उपयोग के प्रति कालेज ऑफ एक्सींलेस के छात्रों की धारणा का अध्ययन।'' इस अध्ययन का उद्देश्य व्हाट्सएप अध्ययन के प्रति छात्रों की धारणाओं को जानना हैं। नमूने के रूप में कुल 100 छात्रों को लिया गया। इस अध्ययन में उपकरण के रूप में प्रश्नावली का उपयोग किया गया था। इस अध्ययन में निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि व्हाट्सएप शिक्षा में आसान, मजेदार और उपयोगी हैं। प्रतिभागियों ने व्हाट्सएप के उपयोग के बारे में सकरात्मक भावनाएं व्यक्त की। चिमान्गो, एन. (2019), इस अध्ययन का शीर्षक ''सीखने में व्हाट्सएप का विश्वविद्यालय के छात्रों को समझने के लिये नियोजित व्यवहार के विघटित सिद्धान्त का उपयोग करना।'' इस अध्ययन का उद्देश्य सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के छात्रों और मलावी के मुजू विश्वविद्यालय में बी.एड़. के छात्रों द्वारा व्हाट्सएप प्रौद्योगिकी के उपयोग की जांच करना हैं। नमूने के रूप में कुल 51 छात्रों को लिया गया। शोधकर्त्ता ने उपकरण के रूप में अर्द्ध संरचित साक्षात्कार के साथ प्रश्नावली का उपयोग किया। इस अध्ययन में निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि अधिकांश लोग शैक्षणिक जानकारी साझा करने, साथी छात्रों और व्याख्यताओं के साथ संवाद करने और सहयोगी शिक्षण गतिविधियों का संचालन करने सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों को पूरा करने के लिये व्हाट्सएप का उपयोग करते है।

व्हाट्सएप का अन्तनिर्हित उद्देश्य संचार को सुविधाजनक बनाता हैं और अपने सबसे बुनियादी स्तर पर शिक्षा कुछ भी नहीं हैं लेकिन संचार व्हाट्सएप का एक ऐसा चैनल प्रदान कर सकता हैं, जिसके माध्यम से शिक्षक अपने छात्रों के साथ तेजी से और अधिक सहज संचार प्राप्त कर सकते हैं। यह छात्रों के बीच संचार के स्तर को भी बढ़ा सकता हैं और व्हाट्सएप के लिये शिक्षा रणनीतियां सीखने के लिये एक और स्थल बना सकता हैं। व्हाट्सएप द्वारा साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति इस प्रकार हैं : 1) ग्रुप लर्निंग का उपयोग और समूह में अध्ययन करना। 2) शिक्षण से सम्बन्धित ऑडियो सीधे छात्रों को भेजे जा सकते हैं। 3) कक्षा में अनुपस्थित छात्र को आसाइनमेंट भेजना। 4) छात्रों को वीडियों भेजना। 5) छात्रों को चित्र या चार्ट भेजना। 6) माता–पिता के फोन पर सीधे रिपोर्ट कार्ड भेजना। 7) छात्रों और शिक्षकों के बीच वास्तविक समय के संचार को सुगम बनाना। 8) शिक्षकों और अभिभावकों के बीच वास्तविक समय के संचार को सुगम बनाना। 9) संदेह स्पष्ट करने के लिये शिक्षकों से बातचीत करना। 10) पाठ्यक्रम संचार से सम्बन्धित सूचनायें भेजना। 11) व्हाट्सएप के द्वारा छात्रों का आपस में सवालों तथा जवाबों का आदान–प्रदान करना। 12) व्हाट्सएप के द्वारा ऑनलाईन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों से क्विज एवं छोटी दैनिक चुनौतियों को साझा किया जाता हैं। 13) शिक्षा संस्थानों में आवेदन की स्थिति जानना, तत्काल जानकारी प्राप्त करना तथा आवश्यक होने पर आमने–सामने साक्षात्कार का समय निर्धारित करना। छात्राध्यापक : प्रशिक्षार्थी छात्राध्यापक से तात्पर्य शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित बी. एड. एवं एम.एड. प्रशिक्षार्थियों से हैं।

अध्ययन का उद्देश्य :

छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना :

छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति में अंतर पाया जायेगा।

शोध विधि : प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण अभिकल्प विधि का प्रयोग किया गया।

जनसंख्या : प्रस्तुत शोध के लिये रायपुर शहर में स्थित शासकीय तथा अशासकीय शिक्षण प्रशिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत् छात्रध्यापकों (पुरूष एंव महिला) का चयन किया गया।

न्यादर्श : प्रस्तुत शोध में रायपुर शहर के शासकीय तथा अशासकीय शिक्षण प्रशिक्षण संस्थाओं

से 200 (100 महिला एवं 100 पुरूष) छात्रध्यापकों का चयन ''सोद्देश्य न्यादर्श विधि'' द्वारा किया गया, जिसमें 100 छात्रध्यापको (50 छात्राध्यापक एवं 50 छात्राध्यापिकाओं) का चयन, शासकीय शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों तथा 100 छात्रध्यापको (50 छात्राध्यापक एवं 50 छात्राध्यापिकाओं) का चयन, अशासकीय शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों से किया गया।

उपकरण :

स्मार्टफोन में प्रयुक्त व्हाट्सएप मैसेंजर के माध्यम से स्क्रीनशॉट प्रक्रिया– प्रस्तुत अध्ययन में शोध प्रविधि के अन्तगर्त– स्मार्टफोन में प्रयुक्त व्हाट्सएप मैसेंजर के माध्यम से साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियां जो छात्र–छात्राओं द्वारा प्रयोग की जाती हैं, को लिया गया। आकड़ें संग्रहण करने के लिये स्क्रीनशॉट प्रक्रिया को लिया गया।

प्रक्रिया : शोध अध्ययन हेतु प्रदत्तों के संकलन के लिये कुल 5, शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण प्रशिक्षण संस्थाओं में जाकर 200 न्यादर्श (प्रशिक्षणरत छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं) से निर्देश के साथ अन्तक्रिया की गयी। जिसमें 100 पुरूष एवं 100 महिला थी, जिनकी औसत आयु 27 वर्ष हैं, जिनमें पुरूषों की औसत आयु 28 वर्ष तथा महिलाओं की औसत आयु 26 वर्ष पायी गई। सहपाठियों के व्हाट्सएप समूह के मध्य शैक्षणिक जानकारियों को साझा करने के सम्बन्ध में या दी गई जानकारियों का स्क्रीनशॉट को डाटा के रूप में संकलित किया गया, चूंकि यह प्रक्रिया प्रत्यक्ष एवं व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक छात्राध्यापकों द्वारा प्राथमिक आकड़ों के रूप में एकत्र की गयी हैं, अतः प्राप्त आकड़ें विश्वसनीय हैं। इसी तरह प्राप्त आकड़ें सोशल मीडिया द्वारा प्राप्त किये गये हैं, जो ऑनलाईन में इसी माध्यम से कभी भी पुनः प्राप्त किये जा सकते हैं अतः यह वैध हैं।

प्रदत्तों का विश्लेषण एंव व्याख्या :

परिकल्पना : छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति में अंतर पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक : 1

छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी शैक्षणिक जानकारियों की प्राप्तांकों की संख्या एवं प्रतिशत

छात्राध्यापक						
फीचर्स	कुल	प्रतिशत में (%)	शैक्षणिक प्राप्तांक	शैक्षणिकप्राप्त. ांक (%)	गैर–शैक्षणिक प्राप्तांक	गैर–शैक्षणिक प्राप्तांक (%)
ऑडियों	42	3	28	2	14	4
छवि(इमेज)	611	37	552	42	59	18
लिंक	104	6	88	7	16	5
डाक्यूमेन्ट्स	282	17	248	19	34	10
टेक्स्ट मैसेज	534	33	345	26	189	57
वीडियों	68	4	50	4	18	6
कुल	1641	100	1311	100	330	100

चार्ट क्रमांक : 1

छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी जानकारियों का प्रतिशत चार्ट

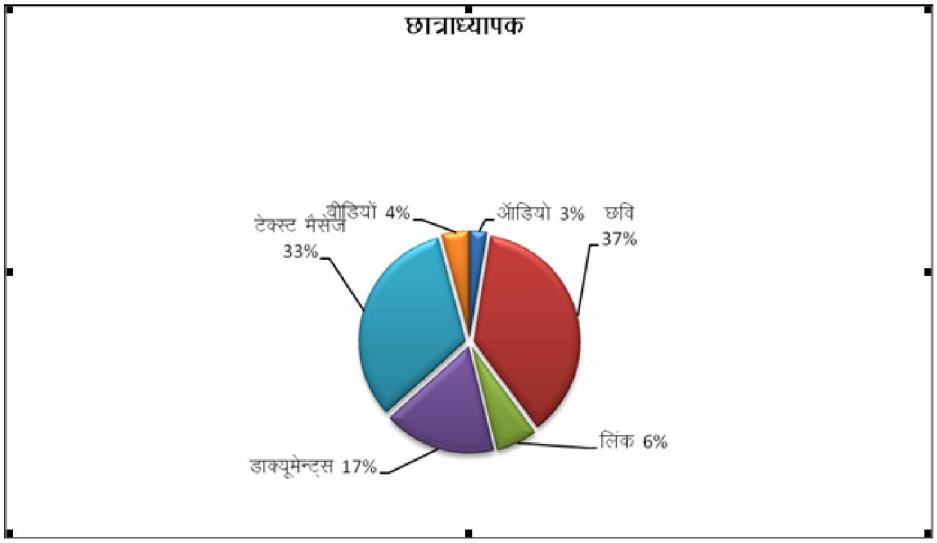

सारणी क्रमांक : 2

छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक जानकारियों की प्रतिशत

फीचर्स	शैक्षणिक प्राप्तांक (%)	फीचर्स	गैरशैक्षणिक प्राप्तांक (%)
ऑडियों	2	ऑडियों	4
छवि(इमेज)	42	छवि (इमेज)	18
लिंक	7	लिंक	5
डाक्यूमेन्ट्स	19	डाक्यूमेन्ट्स	10
टेक्स्ट मैसेज	26	टेक्स्ट मैसेज	57
वीडियों	4	वीडियों	6
कुल	100	कुल	100

चार्ट क्रमांक : 2

छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक जानकारियों की चार्ट

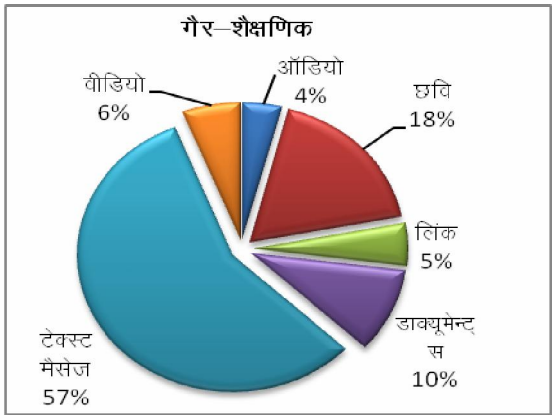

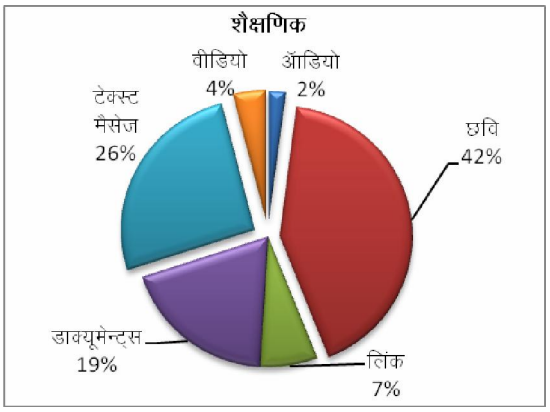

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त सारणी 1 से स्पष्ट हैं, कि छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली जानकारियों में कुल 200 पुरूष छात्राध्यापकों से व्हाट्सएप मैसेजंर के छः फीचर्स/क्षेत्र/आयाम (आडियों, छवि, लिंक, डॉक्यूमेन्ट, टेक्स्ट मैसेज एवं वीडियो) से आंकडें प्राप्त कर प्रतिशत निकाला गया एवं उसका पाई चार्ट के माध्यम से विश्लेषण किया गया।

200 छात्राध्यापकों ने कुल (1641) जानकारियों में से (42) जानकारियाँ (3%) आडियों के माध्यम से साझा किये।

200 छात्राध्यापकों ने कुल (1641) जानकारियों में से (611) जानकारियाँ (38%) छवि (इमेज) के माध्यम से साझा की गयी।

200 छात्राध्यापकों ने कुल (1641) जानकारियों में से (104) जानकारियाँ (7%) लिंक के माध्यम से साझा किये।

200 छात्राध्यापकों ने कुल (1641) जानकारियों में (282) जानकारियाँ (18%) डाक्यूमेन्ट्स के माध्यम से साझा किये।

200 छात्राध्यापकों ने कुल (1641) जानकारियों में से (534) जानकारियाँ (33%) टेक्स्ट मैसेज के माध्यम से साझा किये।

200 छात्राध्यापकों ने कुल (1641) जानकारियों में से (68) जानकारियाँ (5%) वीडियों के माध्यम से साझा किये।

सारणी क्रमांक 2 की परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त सारणी 2 से स्पष्ट हैं, कि छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक जानकारियों का, सारणी एवं पाई चार्ट के माध्यम से विश्लेषण किया गया और पाया कि शैक्षणिक जानकारियों में कुल छः फीचर्स/आयाम/क्षेत्र से कुल (1311) जानकारियाँ एवं गैर–शैक्षणिक से कुल (330) जानकारियाँ साझा की गयी।

इन छः फीचर्स/आयामों में प्रथम आयाम आडियों से शैक्षणिक जानकारी कुल (1311) जानकारियों के 28 (2%) साझा की गयी, वही गैर शैक्षणिक जानकारी से ऑडियों में कुल (330) जानकारियों का 14 (4%) जानकारी साझा की गयी। इसी प्रकार दूसरा आयाम छवि का कुल शैक्षणिक जानकारी का 552 (42%) एवं कुल गैर–शैक्षणिक जानकारी का 59 (18%) साझा की गयी। तीसरा आयाम लिंक का कुल शैक्षणिक जानकारी का 88 (7%) एवं कुल गैर–शैक्षणिक जानकारी का 16(5%) साझा की गयी। चौथा आयाम डाक्यूमेन्टस का कुल शैक्षणिक जानकारी का 248 (19%) एवं गैर शैक्षणिक जानकारी से 34 (10%) दस्तावेज साझा की गयी। पांचवॉ आयाम टेक्स्ट मैसेज का कुल शैक्षणिक जानकारी से 345 (26%) एवं कुल गैर–शैक्षणिक जानकारी से 189(57%) साझा की गयी। छठवां आयाम वीडियो का कुल शैक्षणिक जानकारी में से 50 (4%) एवं कुल गैर–शैक्षणिक जानकारी में से 18 (6% साझा की गयी।

उपरोक्त सारणी एवं चार्ट के विश्लेषण से स्पष्ट हैं, कि छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी शैक्षणिक जानकारियों में सर्वाधिक (42%) छवि (इमेज) हैं, एवं न्यूनतम (2%) आडियो के माध्यम से जानकारियाँ साझा की गयी। गैर–शैक्षणिक जानकारियों में सर्वाधिक (57%) टेक्स्ट मैसेज एवं सबसे कम (4%) आडियो के माध्यम से जानकारियाँ साझा की गयी।

विवेचना : प्रस्तुत लघुशोध में व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति का अध्ययनः छात्राध्यापकों के विशेष संदर्भ में किया गया हैं। उपरोक्त विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की गयी जानकारियों में अंतर पाया गया, इसका कारण यह हैं, कि छात्राध्यापकों द्वारा शैक्षणिक जानकारियाँ सर्वाधिक रूप से छवि (इमेज) के माध्यम से साझा की गयी, क्योंकि छात्राध्यापक मानते हैं, कि छवियों (इमेज) के साथ जानकारियाँ साझा करना शैक्षिक रूप से उपयोगी हैं और साथ ही साथ सीखने व समझने की प्रक्रिया को सरल बनाता हैं। केटिनकाया एल. (2017) ने अपने अध्ययन में पाया कि छात्रों ने पाठ्यक्रम में व्हाट्सएप के उपयोग के प्रति सकरात्मक राय विकसित की हैं। छात्रों ने बताया कि छवियों के साथ संदेश उनके सीखने के लिये अधिक प्रभावी थे, अतः हमारे लघु शोध की परिकल्पना क्रमांक–1 के निष्कर्ष एवं केटिनकाया एल. (2017) के निष्कर्ष में समानता हैं।

उपरोंक्त सारणी 1 में आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता हैं, कि छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर सर्वाधिक रूप में छवि (37%) द्वारा जानकारियाँ साझा की गई हैं, इसके पश्चात् टेक्स्ट मैसेज (32%), डॉक्यूमेन्ट्स (17%), लिंक (6%), वीडियो (4%) तथा सबसे कम ऑडियो (3%) द्वारा जानकारियाँ साझा की गयी अर्थात् शैक्षणिक जानकारियों को साझा करने की प्रकृति में अंतर पाया गया।

निष्कर्ष : निष्कर्ष में पाया गया कि छात्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप पर साझा की जाने वाली शैक्षणिक जानकारियों की प्रकृति में अंतर हैं।

संदर्भ :

अस्थाना, विपिन, (2009), ***शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी,*** विनोद पब्लिकेशन, आगरा, पृष्ठ क्र.1, 3.

बंसल, टी., एवं जोशी, डी., (2014). व्हाट्सएप मोबाईल सीखने वाले छात्रों के अनुभवों का एक अध्ययन; ***ग्लोबल जनरल ऑफ वूमन सोशल साइंस रिसर्च,*** 14, 4, 11.

चिन्मागो, एन., (2019). सीखने में व्हाट्सएप का विश्वविद्यालय के छात्रों को समझने के लिये नियोजित व्यवहार के विघटित सिद्धान्त का उपयोग करना, ***ई–लर्निंग और डिजिटल मीडिया,*** 2042753019835906.

गुटर, जी., (2018). शिक्षक शिक्षा के लिये मोबाईल ऐप : व्हाट्सएप के माध्यम से बातचीत में सामाजिक, संज्ञानात्मक और शिक्षण उपस्थिति को इंडेंट करना, एडमीडिया + इनोवेट लर्निंग, 6 (11), 200–205.

केलिन, जे. ए., (2018). मोबाईल इस्टेट मैंसेजिंग एमआईएम के शैक्षिक प्रभाव : उच्च शिक्षा में उपयोग किये गये व्हाट्सएप के परिणाम के रूप में, ***इंटरनेशनल जनरल ऑफ डिसटेन्स एजुकेशन टेक्नोलॉजिस,*** 16 (2) 51–64.

केंचाकन्वर, वाय. ए., एवं हदागली, एस. जी., (2015). कर्नाटक विश्वविद्यालय धवदः एक अध्ययन के विद्वानों के बीच व्हाट्सएप का उपयोग, ***इंटरनेशल रिसर्चः जनरल ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इनफॉरमेशन सांइस,*** 5(3), 548–561.

केटिनकाया, एल., (2017). व्हाट्सएप का प्रभाव शिक्षा प्रक्रिया के सफलता पर पड़ता हैं, ***द इंटरनेशन रिव्यूय ऑफ रिसर्च इन ओपन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटेड लर्निंग,*** 18 (7), 32–45.

लोवेंथल, पी. आर., और विल्सन, बी.जी., (2010). लेबील डू मैटर्स, एईसीटी के रिडिफिनेशन आफ द फील्ड की आलोचना ***टैकट्रेड्रस,*** 54 (1), 38–46. क्वस रू 10ण 10075 11528.009.0362.

नुरा, बी., (2017). सामान्य अध्ययन में अकादमिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव को प्रभावित करने वाले स्नातक छात्रों में सीखने का विस्तार करने के लिये व्हाट्सएप का उपयोग करना, ***एटीबीयू जनरल्स ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एण्ड एजुकेशन,*** 4 (3), 64–71.

शोरनाम, ए., (2018). व्हाट्सएप के उपयोग के प्रति कॉलेज ऑफ एक्सीलेस के छात्रों धारणा का अध्ययन, ***इंडियन जनरल ऑफ सोर्स एण्ड सर्विस,*** 8 (1), 73–78.